http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 150

प्रयागराज शनिवार 15 फरवरी 2025

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

देश में सवाल पूछो तो चुप्पी, विदेश में पूछो तो निजी मामला!

● राहुल गांधी का पीएम मोदी पर बड़ा हमला

नई दिल्ली,(एजेंसी)। क्या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बैठक में कारोबारी गौतम अदाणी के खिलाफ मामले पर चर्चा हुई?श पूछे जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, श्भारत एक लोकतांत्रिक देश है और हमारी संस्कृति श्वसुधैव कुटुम्बकमश की है, हम पूरी दुनिया को एक परिवार मानते हैं। हर भारतीय को मैं अपना मानता हूं। ऐसे व्यक्तिगत मामलों के लिए दो देशों के मुखिया न मिलते है न बैठते हैं न बात करते हैं।श अमेरिका में अदाणी समूह को लेकर पूछे गए सवाल को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जवाब पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि देश में सवाल पूछो तो चुप्पी, विदेश में पूछो तो निजी मामला! अमेरिका में भी पीएम मोदी ने अदाणी के भ्रष्टाचार पर पर्दा डाल दिया! जब मित्र का जेब भरना पीएम मोदी के लिए राष्ट्र निर्माण है, तब रिश्वतखोरी और देश की संपत्ति को लूटना व्यक्तिगत मामला बन जाता है। इससे पहले पीएम मोदी से अमेरिका में अदाणी समूह को लेकर जारी विवाद को लेकर भी सवाल किया गया। श्क्या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बैठक में कारोबारी गौतम अदाणी के खिलाफ मामले पर चर्चा हुई?श पूछे जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, श्भारत एक लोकतांत्रिक देश है और हमारी संस्कृति श्वसुधैव कुटुम्बकमश की है, हम पूरी दुनिया को एक परिवार मानते हैं। हर भारतीय को मैं अपना मानता हूं। ऐसे व्यक्तिगत मामलों के लिए दो देशों के मुखिया न मिलते है न बैठते हैं न बात करते हैं।श दरअसल, अदाणी समूह की कंपनियों से जुड़ा एक विवाद अमेरिका में सामने आया था। अमेरिकी अभियोजकों ने अरबपति गौतम अदाणी और उनकी कंपनियों से जुड़े लोगों पर सौर ऊर्जा अनुबंध के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को 25 करोड़ डॉलर (करीब 21 अरब रुपये) रिश्वत देने का आरोप लगाया था।

अडाणी मुद्दा: पीएम बोले, निजी मामला

● व्यक्तिगत मामलों के लिए दो देशों के मुखिया न मिलते हैं, न बात करते हैं, अमेरिका में अदाणी मुद्दे पर मोदी

वॉशिंगटन,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी अमेरिका यात्रा पूरी करके शुक्रवार को भारत के लिए रवाना हो गए। इस यात्रा के दौरान उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ व्यापार एवं प्रौद्योगिकी, रक्षा एवं सुरक्षा, ऊर्जा तथा दोनों देशों के लोगों के बीच संबंधों सहित विभिन्न विषयों पर उच्च स्तरीय द्विपक्षीय वार्ता की। इस दौरान पीएम मोदी ने अमेरिका में अदाणी समूह को लेकर जारी विवाद को लेकर भी सवाल किया गया। श्क्या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बैठक में कारोबारी गौतम अदाणी के खिलाफ मामले पर चर्चा हुई?श के सवाल पूछे जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, श्भारत एक लोकतांत्रिक देश है और हमारी संस्कृति श्वसुधैव कुटुम्बकमश की है, हम पूरी दुनिया को एक परिवार मानते हैं। हर भारतीय को मैं अपना मानता हूं। ऐसे व्यक्तिगत मामलों के लिए दो देशों के मुखिया न मिलते है न बैठते हैं न बात करते हैं।श ट्रंप ने उनकी मेजबानी की इससे पहले पीएम मोदी बुधवार को फ्रांस से अमेरिका पहुंचे और गुरुवार (भारतीय समयानुसार शुक्रवार के दिन) को ट्रंप ने उनकी मेजबानी की। रिपब्लिकन नेता ने पिछले महीने दूसरे कार्यकाल के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद पहली द्विपक्षीय वार्ता की मेजबानी की। वार्ता के दौरान भारत और अमेरिका ने रक्षा, ऊर्जा और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपने रणनीतिक संबंधों को व्यापक बनाने में एक बड़ी छलांग लगाने का फैसला किया। भारत–अमेरिका समृद्धि के लिए मेगा साझेदारी कर रहे सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनकी उत्कृष्ट बैठक हुई और उनकी ये बातचीत भारत–अमेरिका मित्रता को महत्वपूर्ण गति प्रदान करेगी। मोदी ने 'एक्स' पर कहा, श्राष्ट्रपति ट्रंप अक्सर एमएजीए के बारे में बात करते हैं। भारत में हम विकसित भारत की दिशा में काम कर रहे हैं, जिसका अमेरिकी संदर्भ में मतलब एमआईजीए है। भारत–अमेरिका समृद्धि के लिए मेगा साझेदारी कर रहे हैं।श विदेश सचिव ने कही यह बात विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, श्प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निमंत्रण पर संयुक्त राज्य अमेरिका की एक बहुत ही सार्थक यात्रा पूरी की है। राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के लिए शपथ लेने के बाद प्रधानमंत्री की यह पहली संयुक्त राज्य अमेरिका यात्रा है। यह यात्रा इस बात का संकेत है कि दोनों नेता भारत–अमेरिका संबंधों को कितनी प्राथमिकता देते हैं। राष्ट्रीय खुफिया विभाग की नई नियुक्त निदेशक तुलसी गबार्ड ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की।

'आईआईटीयन प्रशिक्षण केंद्र' पर भ्रामक विज्ञापन के लिए तीन लाख का जुर्माना

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने आईआईटी–जेईई परीक्षा के परिणाम के बारे में भ्रामक दावे करने वाले विज्ञापन देने के लिए कोचिंग संस्थान "आईआईटीयन प्रशिक्षण केंद्र प्राइवेट लिमिटेड" पर 3 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। उपभोक्ता मामले, खाद्य

और जन वितरण मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि यह निर्णय यह सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है कि किसी भी वस्तु या सेवा का कोई गलत या भ्रामक विज्ञापन न किया जाए जो उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के प्रावधानों का उल्लंघन करता हो। सीसीपीए ने भ्रामक विज्ञापनों के लिए अब तक विभिन्न कोचिंग संस्थानों को 46 नोटिस जारी किए हैं। सीसीपीए ने 24 कोचिंग संस्थानों पर 77 लाख 60 हजार रूपये का जुर्माना लगाया है और उन्हें भ्रामक विज्ञापन बंद करने का निर्देश दिया है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के उल्लंघन के मद्देनजर, मुख्य आयुक्त निधि खरे और आयुक्त अनुपम मिश्रा की अध्यक्षता में सीसीपीए ने "आईआईटीयन प्रशिक्षण केंद्र प्राइवेट लिमिटेड " के खिलाफ एक आदेश जारी किया है।

अटल जी के बाद पीएम मोदी ने देश के ग्रामीण क्षेत्र का किया विकास: राजनाथ सिंह

● रक्षामंत्री राजनाथ ने योगी–गडकरी का कराया विशेष सम्मान, बोले– एक मिनट तक खड़े होकर तालियां बजाएं

लखनऊ,(एजेंसी)। लखनऊ में शुक्रवार को 588 करोड़ की 114 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया गया। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ में एक महीने में 50 करोड़ लोग स्नान कर चुके हैं। इस आयोजन से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को तीन लाख करोड़ का लाभ होगा। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ में और यूपी में जो भी विकास हो पाया है उसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का ही योगदान है। यही कारण है कि आज लखनऊ सहित पूरे प्रदेश का तेजी से विकास हो रहा है। इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट लग रहे हैं। रक्षामंत्री ने उनके योगदान के लिए वहां पर मौजूद नेता और कार्यकर्ताओं से खड़े होकर एक मिनट तक तालियां बजाने का आह्वान किया। इस दौरान उन्होंने सड़क परिवहन मंत्री द्वारा लखनऊ के लिए स्वीकृत किए गए प्रोजेक्ट का उल्लेख किया। सीएम योगी बोले– महाकुंभ के आयोजन से यूपी की अर्थव्यवस्था को तीन लाख करोड़ का लाभ होगा इसके पहले कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाकुंभ 13 जनवरी को प्रारंभ हुआ था। आज एक महीने बाद महाकुंभ में अब तक 50 करोड़ लोगों ने डुबकी लगाकर एक भारत श्रेष्ठ भारत का संदेश दिया है। यह नया उत्तर प्रदेश है जो कि इंफ्रास्ट्रक्चर और महाकुंभ के जरिये विकास का संदेश दे रहा है। महाकुंभ के बहाने लोगों को दबी हुई धार्मिक भावनाओं को अभिव्यक्त करने का मौका दिया। महाकुंभ के आयोजन से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को करीब तीन लाख करोड़ रुपये का लाभ होगा। मुख्यमंत्री योगी लखनऊ में आयोजित 588 करोड़ रुपये की 114 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, यूपी के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य सहित भाजपा के कई नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने यूपी में रामराज्य स्थापित करने में सफलता पाई है। उन्होंने कहा कि हमें अगर हमारे देश को विश्वगुरु बनाना है तो इंफ्रास्ट्रक्चर पर खास ध्यान देना होगा बिना इसके कोई भी प्रदेश विकास नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा कि व्यापारी उन्हीं प्रदेशों में निवेश करता है जहां सड़कें अच्छी हों।

गृह मंत्रालय ने सत्येन्द्र जैन के खिलाफ मुकदमे के लिए राष्ट्रपति से मांगी मंजूरी

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने दिल्ली के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सत्येन्द्र जैन के खिलाफ भ्रष्टाचार के एक मामले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत मुकदमा चलाने

के लिए राष्ट्रपति से सूत्रों के अनुसार गृह मंत्रालय ने राष्ट्रपति को भेजे पत्र में कहा है कि प्रवर्तन निदेशालय से मिले दस्तावेजों के आधार पर श्री जैन के विरूद्ध इस मामले में अभियोजन चलाने के लिए प्रयाप्त साक्ष्य मिले हैं। इसलिए उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी का अनुरोध किया गया है। सूत्रों ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि श्री जैन के खिलाफ किस मामले में मुकदमा चलाने के लिए मंजूरी मांगी गयी है।

शिंदे गुट से सांसदों की मेल–मुलाकातों से डरे उद्धव ठाकरे! जारी की एडवाइजरी

मुम्बई,(एजेंसी)। आदित्य ने जाहिर तौर पर सांसदों से शिंदे की शिवसेना से रात्रिभोज निमंत्रण स्वीकार करने से पहले पार्टी नेतृत्व की पूर्व मंजूरी लेने के लिए कहा है। 11 फरवरी को, जब पवार ने शिंदे को सम्मानित किया, तो मुंबई उत्तर पूर्व से यूबीटी सेना सांसद संजय दीना पाटिल दिल्ली में कार्यक्रम में मौजूद थे। राकांपा–सपा प्रमुख शरद पवार द्वारा शिवसेना को तोड़ने वाले महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को सम्मानित करने पर निराशा व्यक्त करने के बाद, उद्धव ठाकरे सेना गुट का नेतृत्व अपने स्वयं के उन सांसदों से भी नाराज है जो शिंदे और उनके गुट के साथ मेलजोल रखते रहे हैं। यह पता चलने के बाद कि यूबीटी सेना के कई सांसद शिंदे और अन्य लोगों से मिल रहे हैं, और यहां तक ध्कि उस कार्यक्रम में भी मौजूद थे, जहां शिंदे को पवार ने सम्मानित किया था, यूबीटी सेना के आदित्य ठाकरे ने पार्टी सांसदों से शिंदे खेमे के सांसदों के साथ मेल–मिलाप नहीं करने को कहा है। आदित्य ने जाहिर तौर पर सांसदों से शिंदे की शिवसेना से रात्रिभोज निमंत्रण स्वीकार करने से पहले पार्टी नेतृत्व की पूर्व मंजूरी लेने के लिए कहा है। 11 फरवरी को, जब पवार ने शिंदे को सम्मानित किया, तो मुंबई उत्तर पूर्व से यूबीटी सेना सांसद संजय दीना पाटिल दिल्ली में कार्यक्रम में मौजूद थे। जाहिर तौर पर उसी रात एकनाथ शिंदे के बेटे और कल्याण सांसद श्रीकांत शिंदे द्वारा आयोजित रात्रिभोज में पाटिल भी मौजूद थे। 12 नवंबर को, यूबीटी सेना के लोकसभा सांसद, जिनमें नागेश अष्टिकर, भाऊसाहेब वाकचौरे और संजय जाधव शामिल थे, दिल्ली में शिवसेना सांसद और केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव द्वारा आयोजित रात्रिभोज में उपस्थित थे। उद्धव खेमे ने दो कारणों से इन बातचीत पर आपत्ति जताई है ऐसी एक घटना तब हुई जब यूबीटी सेना ने पहले ही शिंदे को सम्मानित करने के लिए पवार पर नाराजगी व्यक्त की थी।, जिसे यूबीटी सेना का मानना ध्ध्ध्है कि डिप्टी सीएम को वैधता मिलती हैय और दूसरा, इससे यह सवाल उठता है कि इनमें से कितने सांसद दूसरे गुट में जाएंगे। शिवसेना नेताओं की ओर से लगातार चर्चा होती रही है कि यूबीटी सेना के कई सांसद और विधायक जल्द ही उनकी पार्टी में शामिल हो जाएंगे।

दिल्ली भाजपा विधायक दल की बैठक 16 को, शपथ 18 फरवरी को संभव

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में नयी सरकार के गठन को लेकर सरगर्मियां तेज हो गयी और इस कड़ी में 16 फरवरी को विधायक दल की बैठक

और 18 फरवरी को शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया जा सकता है। पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका का दो दिवसीय दौरा समाप्त करके नयी दिल्ली लौट रहे हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री के नाम का चयन करने के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किये जाएंगे। सूत्रों ने बताया कि 16 फरवरी को पार्टी के विधायक दल की बैठक हो सकती है, जिसमें मुख्यमंत्री के नाम का प्रस्ताव रखा जाएगा और अनुमोदन होने के बाद पार्टी के वरिष्ठ ने दिल्ली के नये मुख्यमंत्री की घोषणा करेंगे। सूत्रों ने बताया कि प्रदेश की नयी सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 18 फरवरी को आयोजित हो सकता है। शपथ ग्रहण समारोह किस जगह पर आयोजित होगा, अभी तक इस बारे में फैसला नहीं हो पाया है। मीडिया में शपथ ग्रहण समारोह स्थल को लेकर कई जगहों की चर्चा है, लेकिन ज्यादा संभावना इस समारोह के रामलीला मैदान में आयोजित होने की है। गौरतलब है कि भाजपा ने आठ फरवरी को आए दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों में 48 सीटें जीती हैं और 12 साल से दिल्ली की सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी 22 सीटों पर सिमट कर रह गयी।

52 फीसदी विकास दर होने का अनुमान

● 2025–26 में 1.5 लाख करोड़ ज्यादा लोन लेंगे छोटे उद्यमी

लखनऊ,(एजेंसी)। देश में सर्वाधिक एमएसएमई इकाइयां यूपी में हैं। देश में करीब 6.33 करोड़ छोटी इकाइयां हैं, जिसमें यूपी की हिस्सेदारी 14 फीसदी है। नाबार्ड के मुताबिक एमएसएमई सेक्टर ने 1.4 करोड़ से ज्यादा लोगों को रोजगार दिया है। उत्तर प्रदेश में एमएसएमई सेक्टर देश में सबसे तेज विकास करने वाले क्षेत्रों में से एक होगा। नाबार्ड ने वर्ष 2025–26 में पिछले वित्त वर्ष की तुलना में एमएसएमई सेक्टर में 52 फीसदी विकास दर का अनुमान लगाया है। पिछले वर्ष छोटे उद्यमियों ने 2.91 लाख करोड़ रुपये का लोन लिया था, जो आगामी वित्त वर्ष में बढ़कर 4.45 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। साफ है 1.5 लाख करोड़ रुपये के अधिक लोन इंडस्ट्री की सेहत में मजबूती का संकेत है। प्रदेश में पारंपरिक क्लस्टरों की मौजूदगी लगातार मजबूत हो रही है। इससे एमएसएमई सेक्टर में अप्रत्याशित बदलाव आए हैं। देश में सर्वाधिक एमएसएमई इकाइयां यूपी में हैं। देश में करीब 6.33 करोड़ छोटी इकाइयां हैं, जिसमें यूपी की हिस्सेदारी 14 फीसदी है। नाबार्ड के मुताबिक एमएसएमई सेक्टर ने 1.4 करोड़ से ज्यादा लोगों को रोजगार दिया है। पिछले एक वर्ष में ही 18 लाख रोजगार पैदा हुए हैं। खासतौर पर एक जिला एक उत्पाद, युवाओं को कौशल विकास, एमएसएमई नीति ने पूरे सेक्टर में बड़ा बदलाव किया है। छोटी इकाइयों द्वारा निर्यात पर पहली बार फोकस किया गया है। प्रदेश के निर्यात में हस्तशिल्प उत्पाद, प्रसंस्कृत मीट और चर्म उत्पादों के अतिरिक्त सॉफ्टवेयर, बीपीओ, इलेक्ट्रानिक्स और खाद्य प्रसंस्करण ने सबसे तेज ग्रोथ की है। इसी का नतीजा है कि निर्यात ऋण बढ़ रहा है। वर्ष 2025–26 में निर्यात के लिए 5,627 करोड़ रुपये के लोन का अनुमान किया गया है, जो अब तक की सबसे बड़ी राशि होगी। नाबार्ड के मुताबिक मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान प्रदेश में स्वरोजगार की नई लकीर खींचेगा। इस अभियान का असर अगले वर्षों में दिखाई देगा और तकनीकी व निर्माण इकाइयों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उत्तर प्रदेश में ऋण प्रवाह मुख्य रूप से फसल उत्पादन की ओर केंद्रित है, जबकि कृषि विकास को बढ़ावा देने के लिए जरूरी बुनियादी ढांचे के निर्माण पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। बड़ी इकाइयों की संख्या 6 लाख एमएसएमई मंत्र राकेश सचान का कहना है कि एमएसएमई सेक्टर प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। मुख्यमंत्री एमएसएमई सेक्टर की मॉनिटरिंग खुद करते हैं। ईज ऑफ डूइंग और बैंकों द्वारा लोन की स्वीकृति की संख्या बढ़ाने के लिए लगातार निर्देश दिए जा रहे हैं। नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक पंकज कुमार का कहना है कि कृषि और एमएसएमई क्षेत्रों में अपार संभावना है। इन दोनों सेक्टरों को ऋण देने पर अधिक ध्यान दिया जाए, ताकि राज्य सरकार के दस खरब डालर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य पूरा हो सके।

सम्पादकीय

आजाद का बयान नये समीकरणों का संकेत

तृणमूल कांग्रेस के सांसद कीर्ति आजाद ने प्रतिपक्षी गठबन्धन इंडिया पर जो हमले किये हैं उससे नये सियासी समीकरणों के संकेत मिलते हैं। यह अलग बात है कि उनके इन बयानों में विरोधाभास भी हैं। तो भी जो तल्खी टीएमसी सांसद ने दिखाई है, वह बतलाती है कि इंडिया से कुछ दल अलग हो सकते हैं और यह भी सम्भव है कि विपक्षी दल नये समीकरण रच सकते हैं। कीर्ति आजाद के बयानों का कांग्रेस क्या प्रतिसाद या उत्तर देती है, यह देखने वाली बात है तभी भावी घटनाओं का अनुमान लगाया जा सकता है। दिल्ली विध ाानसभा के चुनाव में आम आदमी पार्टी की हार का ठीकरा एक तरह से कांग्रेस पर फोड़ते हुए पूर्व क्रिकेटर तथा बध ार्मान–दुर्गापुर के सांसद कीर्ति आजाद ने यह भी साफ किया कि– श्2026 में होने वाले राज्य के विधानसभा चुनाव में टीएमसी अकेली उतरेगी। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस का कोई आधार नहीं है इसलिये अपने हितों की अनदेखी कर टीएमसी गठबन्धन को मजबूत करने के फेर में नहीं पड़ेगी।श वैसे भी टीएमसी अध्यक्ष तथा प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस आशय का ऐलान सोमवार की पार्टी बैठक में कर ही दिया है। आजाद ने यहां तक कहा कि –श्कांग्रेस ने सहयोगी दल आप की पीठ में छुरा घोंपा है। उसे इंडिया में बने रहने का अधिकार नहीं है।श वे पहले ही बोल चुके चुके हैं कि गठबन्धन का नेतृत्व करने के लिये ममता बनर्जी से बेहतर कोई भी नहीं है जिन्होंने अपने राज्य में भारतीय जनता पार्टी को बुरी तरह से हराया है। उनका यह बयान लगभग उसी लाइन पर है जिस पर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और महाराष्ट्र के पूर्व सीएम व शिवसेना (यूबीटी गुट) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे दे चुके हैं। एक तरह से महाराष्ट्र, हरियाणा और उसके बाद दिल्ली हारने के बाद कांग्रेस पर हमले तेज हो गये हैं जो बतलाते हैं कि कुछ दल कांग्रेस को लेकर बेचौन हैं। हालांकि कांग्रेस पर होने वाले इन आक्रमणों में इस बात के अलावा कोई भी शिकायत वाजिब नहीं है कि उसके द्वारा इंडिया गठबन्धन की बैठक नहीं बुलाई जाती या फिर, अब तक कोई संयोजक नहीं बनाया गया है। इन बातों में दम तो हैं लेकिन गठबन्धन यह भूल जाता है कि कांग्रेस केवल नेतृत्व नहीं कर रही है बल्कि उसके पास अपनी दलीय जरूरतें भी हैं जिनमें से एक है खुद को मजबूत बनाना तथा चुनाव लड़ना। इंडिया के शेष जितने भी घटक दल हैं उनकी मौजूदगी एक–एक राज्य में ही है, आप को छोड़कर जिसने अभी दिल्ली खोई है पर पंजाब में उसकी सरकार है।आजाद का यह कहना कि कांग्रेस अपने सहयोगियों का नुकसान करेगी, तर्कसंगत नहीं है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया को भारतीय जनता पार्टी प्रणीत नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) के बरक्स देखें तो उसके साथ गये सहयोगी दलों को ज्यादा नुकसान हुआ है। महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को तो भाजपा ने ही तोड़ा। अकाली दल की भी दुर्गति हुई। फिर, जिस दिल्ली के नतीजों की आड़ में कांग्रेस की आलोचना की जा रही है, उस सन्दर्भ में यह स्मरण दिलाया जाना लाजिमी है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव की घोषणा होते ही आप ने ताबड़तोड़ अपने उम्मीदवार घोषित कर दिये थे जबकि कांग्रेस वहां तालमेल की इच्छुक थी। वह चाहती थी कि उसे करीब 15 सीटें दी जायें जो कि वाजिब मांग थी। जिस प्रकार से आजाद कहते हैं कि उनके राज्य में अकेली ममता या टीएमसी भाजपा से निपटने के लिये काफी है, कुछ वैसा ही गुमान आप को भी था। यह तो सही है कि पिछली दो बार की तरह इस बार भी कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली लेकिन आप ने कांग्रेस को साथ न लेकर सरकार गंवाई है– यह अब साफ हो गया है। कम से 15 सीटें ऐसी थीं जिन पर यदि दोनों मिलकर लड़ते तो वे सीटें गठबन्धन के खाते में आतीं। जहां तक महाराष्ट्र व हरियाणा का मसला है, यह नहीं भूलना चाहिये कि इन राज्यों में चुनाव सम्बन्धी बड़ी गड़बड़ियों का संदेह है। महाराष्ट्र में लोकसभा से विधानसभा चुनावों के बीच जिस प्रकार से 72 लाख मतदाता बढ़ गये, वह सबके ध यान में है। हरियाणा में प्रारम्भ से आगे चल रही कांग्रेस को जिस तरह से कुछ मिनटों के भीतर मतगणना धीमी कर निपटाया गया, उसे भी नजरंदाज नहीं किया जा सकता। गड़बड़ तो दिल्ली में भी हुई है लेकिन बहस ऐसी दिशा में मोड़ दी गयी है– स्वयं इंडिया के घटक दलों के द्वारा कांग्रेस पर हमला करके, कि यहां चुनावी धांधली पर न किसी का ध्यान जा रहा है और न ही उसे कोई चर्चा में ला रहा है। स्वाभाविकतरू यह स्थिति भाजपा, सरकार और चुनाव आयोग के पक्ष में बनती है कि उस पर आरोप लगाने का किसी के पास अवकाश ही नहीं है। कीर्ति आजाद भूल जाते हैं कि भाजपा के इशारे पर ऐसी धांधलियां हर उस राज्य में होगी, जहां चुनाव होंगेय बेशक, पश्चिम बंगाल भी उसमें होगा। ध्यान रहे कि आरोप लगाने वाले ज्यादातर सहयोगी दल गठबन्धन की सामूहिक आवाज बनकर कांग्रेस का साथ देते नजर नहीं आते, एकाध को छोड़कर। अनेक मुद्दों पर अकेले कांग्रेस ने आवाज उठाई लेकिन उससे पूरा इंडिया लाभान्वित हुआ है। फिर वह चाहे अंबानी–अदानी का मुद्दा हो या जातिगत जनगणना का। संविधान एवं आरक्षण पर भी कांग्रेस लगभग अकेली आवाज उठाती रही।

मिल्कीपुर विजय से भाजपा को राहत व सपा की राह कठिन

मृत्युंजय दीक्षित

मिल्कीपुर की जनता ने विपक्ष के नकारात्मक विचारों के एजेंडे को नकारते हुए विकास और सुशासन का साथ दिया। मिल्कीपर की जनता को अच्छी तरह से समझ में आ गया कि स्थानीय विकास के लिए सत्तारूढ़ भाजपा का विधायक ही आवश्यक है। जून 2024 के लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद सबसे अधिक चर्चा फैजाबाद संसदीय क्षेत्र में भाजपा की पराजय की हुई, जहाँ श्री रामजन्मभूमि पर दिव्य, भव्य राम मंदिर का हिन्दू समाज का 500 वर्ष पुराना सपना पूरा होने के बाद भी भारतीय जनता पार्टी को हार का मुंह देखना पड़ा। फैजाबाद जीत से विपक्ष का आत्मविश्वास इतना बढ़ गया कि इसके बाद हुई अपनी गुजरात रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने, भाजपा के राजनीति से विश्राम ले चुके वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी जी के राम मंदिर आंदोलन को ही हरा देने का दंभ भरा। लोकसभा में सपा सांसद अवधेश प्रसाद की तो मानो प्रदर्शनी लगा दी गई बड़बोले नेताओं ने उनको अयोध्या का रजा तक कह दिया।

फैजाबाद संसदीय सीट की हार और अवधेश प्रसाद को अयोध्या का राजा कहे जाने से सनातन समाज में दुःख, निराशा और क्षोभ था। मिल्कीपुर को सनातनी हिन्दुओं ने अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया था क्योंकि सनातनधर्मी प्रभु राम को ही अयोध्या का एकमात्र राजा मानते हैं । यहां पर यह बात ध्यान देने योग्य है कि जब से सपा मुखिया और कांग्रेस ने अवधेश प्रसाद को अयोध्या का राजा कहना आरम्भ किया तभी से इनकी राजनीति गड़बड़ाने लगी।अब तक प्रदेश में 11 विध ाानसभा उपचुनाव हो चुके हैं जिसमें भाजपा को आठ सीटों पर सफलता मिली है और प्रदेश में सपा और कांग्रेस गठबंधन भी बिखर रहा है।

राजनैतिक दल के रूप में भाजपा ने मिल्कीपुर चुनाव जीतने के लिए बेहद आक्रामक रणनीति तैयार की और स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई बार मिल्कीपुर का दौरा किया। जब योगी जी मिल्कीपुर जाते थे तब सपा सांसद का बयान आता था कि योगी जी

जितनी बार मिल्कीपुर आयेंगे भाजपा का वोट प्रतिशत उतना ही घटेगा और सपा का उतना ही वोट प्रतिशत बढ़ता जायेगा जबकि परिणाम उसके विपरीत आये हैं। मिल्कीपुर की जनता के बता दिया है कि अयोध्या के एकमात्र राजा प्रभु राम ही है।

मिल्कीपुर की जनता ने विपक्ष के नकारात्मक विचारों के एजेंडे को नकारते हुए विकास और सुशासन का साथ दिया। मिल्कीपर की जनता को अच्छी तरह से समझ में आ गया कि स्थानीय विकास के लिए सत्तारूढ़ भाजपा का विधायक ही आवश्यक है। मिल्कीपुर की जनता ने सपा के परिवारवाद और जातिवाद को नकार दिया है। परिणाम से यह भी साफ हो गया है कि योगी का बटेंगे तो कटेंगे का नारा जातिवाद के विरुद्व हिंदुत्व की राजनीति को ताकत दे रहा है। इस विजय से भाजपा के लिए एकजुट हिंदुत्व की राजनीति के पथ पर आगे बढ़ना आसान हो गया है।

मिल्कीपुर सीट पर भाजपा को तीसरी बार जीत मिली है ।इससे पहले 1991 और 2017 में जीत मिली और अब 2025 में चंद्रभानु पासवान ने सपा के गढ़ में भगवा परचम लहराने में सफलता हासिल की है। मिल्कीपुर सीट का गठन 1967 में हुआ था और 1969 में तत्कालीन जनसंघ हरिनाथ तिवारी विधायक चुने गये थे। इसके बाद 1974 से 1989 तक यह विधानसभा क्षेत्र कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी का अभेद्य किला बन गया।1991 में राम लहर में मथुरा प्रसाद तिवारी ने भाजपा से जीत दर्ज की फिर 2012 तक यहां पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद 2017 में मोदी लहर में भाजपा के बाबा गोरखनाथ विजयी रहे। यह अलग बात है कि इसके बाद 2022 के विध ाानसभा चुनाव में सपा के अवधेश प्रसाद ने बाबा को पराजित किया। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा ने अवधेश प्रसाद को अपना उम्मीदवाबर बनाया था और वह जीत गये। तभी से भाजपा पर लगातार दबाव बनता जा रहा था कि किसी न सिकी प्रकार से यह सीट हर हाल में जीतकर दिखानी है और योगी जी की टीम ने यह काम कर दिखाया है। मिल्कीपुर चुनाव से पूर्व प्रयागराज महाकुम्भ– 2025 में योगी कैबिनेट ने एक साथ गंगा में पवित्र डुबकी लगाकर मीडिया जगत और जनमानस में इस बात का संदेह पूरी तरह से दूर कर दिया कि योगी कैबिनेट व भाजपा में आपस में कोई मतभेद व मनभेद है। मिल्कीपुर विध ाानसभा चुनाव में भाजपा भदरसा दुष्कर्म कांड के बहाने सपा पर हमलावर रही। चुनावों के बीच ही वहां पर एक बालिका के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या का एक मामला सामने आया उसके बाद विपक्षी दलों ने भाजपा को घेरने का असफल प्रयास किया। इस घटना को लेकर सभी दलों के नेताओं ने सोशल मीडिया पोस्ट करके राजनीतिक तापमान को गरमाने का असफल प्रयास किया था किंतु आरोपियों के पकड़े जाते ही यह मामला अपने आप गायब हो गया। इस प्रकरण में अवधेश प्रसाद के आंसू भी निकले और खूब निकले यहां तक की मीडिया में बार–बार दिखाया भी गया, मतदान के दिन अवधेश प्रसाद ने एक वीडियो बनवाकर चलवाया जिसमें वह हनुमान चालीसा पढ़ रहे थे, किन्तु ऐसी कोई भी ट्रिक इस चुनाव में नहीं चली। मिल्कीपुर की जनता ने इस बार लोकसभा की गलती को ठीक करने का मन बना लिया था। मिल्कीपुर में अबकी बार संघ ने भी काम संभाला और मजबूत किलेबंदी के साथ हर बूथ पर संघ के पदाधिकारी मोर्चा पर डटे रहे। इसका असर मतदान के दिन दिखा भी। संघ ने मतदाता को मतदान केंद्र तक पहुंचाने में पर्याप्त श्रम किया। मिल्कीपुर जीत से भाजपा का विश्वास बढ़ा है, योगी जी की प्रतिष्ठा बढ़ी है और उनके नारे की लोकप्रियता भी बढ़ रही है। महाकुंभ– 2025 के समापन के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री येगी आदित्यनाथ जी का एक नया अवतार देखने को मिल सकता है। हिंदुत्व की राजनीति में काशी, मथुरा के साथ संभल का अध्याय भी जुड़ चुका है।

वैश्विक संकट बना प्रदूषित भूजल, बड़ी आबादी ने बढ़ाई भारत की चुनौती

❍ यह भारत के लिए भी खतरे की घंटी है, जहां की अधिकांश आबादी पीने के पानी के लिए भूजल पर ही निर्भर है।

ज्ञानेंद्र रावत

समूची दुनिया में प्रदूषित भूजल सबसे बड़ी समस्या बन चुका है। दुनिया के शोध सुबूत हैं कि रेडियो एक्टिव पदार्थों और भारी धातुओं की बढ़ती मात्रा ने भूजल की गुणवत्ता गिराने के साथ ही मानव जीवन को संकट में डाला है। हांगकांग यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के अध्ययन में खुलासा हुआ है कि दुनिया के 156 देशों के भूजल में सल्फेट की मात्रा अधिक पाई गई है, जिनमें भारत के अलावा

अल्जीरिया, पाकिस्तान, सऊदी अरब, इटली, स्पेन, मेक्सिको, अमेरिका, ट्यूनीशिया, ईरान आदि देशों के भूजल में सल्फेट की मात्रा अत्यधिक होने से लगभग 1.70 करोड़ लोग पेट और आंत की बीमारियों की भीषण चपेट में हैं। अध्ययन के मुताबिक, दुनिया में लगभग 19.4 करोड़ लोग 250 मिलीग्राम प्रति लीटर से अधिक सल्फेट युक्त पानी के संपर्क में हैं। इसे डब्ल्यूएचओ ने भी माना है। रिपोर्ट की मानें, तो दुनिया में 1.70 करोड़ लोग 500 मिलीग्राम प्रति लीटर से अधिक सल्फेट वाला पानी पी रहे हैं। इनमें से 82 फीसदी लोग भारत, अमेरिका, मेक्सिको, स्पेन समेत 10 देशों में रहते हैं। अध्ययन में खुलासा हुआ है कि स्पेन में सर्वाधिक 277.86 मिलीग्राम, अफगानिस्तान में 183. 32 मिलीग्राम, मेक्सिको में 175.05 मिलीग्राम, पाकिस्तान में 135.01 मिलीग्राम, अमेरिका में 97.85 मिलीग्राम और भारत में 81.71 मिलीग्राम सल्फेट युक्त पानी का लोग इस्तेमाल कर रहे हैं।

शोधकर्ता वैज्ञानिकों की मानें, तो सल्फेट युक्त पानी स्वास्थ्य के साथ–साथ पर्यावरण के लिए भी खतरनाक है। सल्फेट के कारण पाइप भी गल जाता है। यही नहीं फॉस्फोरस जैसे पोषक तत्वों को अलग करके पारिस्थितिकी के नुकसान का कारण भी बनता है। इसके अलावा, जलवायु परिवर्तन और शहरीकरण से सल्फेट की अधिकता भी बढ़ी है और इससे वैश्विक स्तर पर जल की गुणवत्ता भी गहरे तक प्रभावित होगी। भारत की बात करें, तो देश की ज्यादातर आबादी पीने के पानी के लिए भूजल पर ही निर्भर है। 2050 तक पानी की मांग में 25 फीसदी से अधिक की और बढ़ोतरी की चेतावनी ने यह सोचने पर विवश कर दिया है कि आखिर इस संकट का समाधान कैसे होगा?

सर्वविदित है कि भूजल दोहन के मामले में हमारा देश शीर्ष पर है। इसके चलते देश के उत्तरी गांगेय इलाके में, तो भूजल खत्म होने के कगार पर है। देश की राजधानी दिल्ली सहित देश के कई शहरों का डार्क जोन में आना और एनसीआर में गंभीर पानी का संकट इसका जीता जागता सुबूत है। भूजल के मामले में पंजाब की स्थिति सबसे ज्यादा गंभीर है, क्योंकि वहां की 94 फीसदी आबादी पीने के पानी के लिए भूजल पर ही निर्भर है। नतीजतन भूजल में भारी धातुओं और रेडियो एक्टिव पदार्थों की मौजूदगी में तेजी से इजाफा हुआ। इस मामले में हरियाणा भी पंजाब से पीछे नहीं है। हरियाणा में भूजल निकासी 137 फीसदी से भी अधिक है, जबकि देश में भूजल निकासी 63 फीसदी है। देश के सबसे बडेध राज्य उत्तर प्रदेश के दस महानगर अति दोहित की श्रेणी में हैं। आर्सेनिक, नाइट्रेट, सोडियम, यूरेनियम, फ्लोराइड आदि की अधिकता के कारण भूजल मानव स्वास्थ्य के साथ ही सिंचाई के लिए भी नुकसानदायक साबित हो रहा है। आंध्र प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, गुजरात और उत्तर प्रदेश के भूजल के 12.5 फीसदी नमूने उच्च सोडियम की मौजूदगी के कारण सिंचाई के लिए अनुकूल नहीं पाए गए हैं। देश के 440 जिलों के भूजल में बढ़ा नाइट्रेट का स्तर गंभीर स्वास्थ्य समस्या पैदा कर रहा है। सीजीडब्ल्यूबी की रिपोर्ट की मानें, तो पानी के 9.04 फीसदी नमूनों में फ्लोराइड का स्तर सुरक्षित सीमा से अधिक और 3.55 फीसदी आर्सेनिक की मौजूदगी पाई गई। राजस्थान, कर्नाटक, तमिलनाडु में 40 फीसदी से ज्यादा नमूने सुरक्षित सीमा से अधिक पाए गए। महाराष्ट्र में पानी में नाइट्रेट का स्तर 35.74, तेलंगाना में 27.48, आंध्र प्रदेश में 23. 5 और मध्य प्रदेश में 22.58 फीसदी से भी ज्यादा उच्च स्तर तक दर्ज किया गया है, जबकि हरियाणा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश में यह स्तर लगातार बढ़ रहा है।यह प्रदूषण पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य, दोनों के लिए हानिकारक है। इससे कैंसर, किडनी, हड्डियों और त्वचा की बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। नवजात शिशु के लिए तो यह जानलेवा बन गया है। गौरतलब है कि देश में भूजल की गुणवत्ता में तेजी से आ रही गिरावट के लिए उद्योगों से निकलने वाले दूषित।

टैरिफ में बढ़ोतरी के ट्रंप के फैसले से भारत को घबराने की कोई जरूरत नहीं

वर्तमान में भारत की निर्यात आर्थिक वृद्धि के लिए अमेरिका प्रमुख उत्प्रेरक है। यह भारत का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। निर्यात वृद्धि का प्रक्षेपक्रगत वर्षों में यदा–कदा नहीं रहा है। अमेरिका एक दशक से अधिक समय से लगातार भारतीय माल का सबसे बड़ा आयातक रहा है। यहां तक कि डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल (2017–2020) के दौरान भी, निर्यात में समग्र वृद्धि बरकरार रही, हालांकि ट्रंप का संरक्षणवाद था। अमेरिका को निर्यात ने भारत की बाहरी अर्थव्यवस्था के लिए साल–दर–साल प्रगतिशील विकास के बीज बोये, जिससे भारत के बड़े आयातों में काफी हद तक संतुलन बना रहा। भारत के निर्यात में इसकी हिस्सेदारी 2013–14 में 12.4 प्रतिशत से बढ़कर 2023–24 में 17.7 प्रतिशत हो गयी। इस संबंध में, ट्रम्प के भयंकर टैरिफ युद्ध और आव्रजन विरोधी नीति के साथ भारत की अमेरिका पर अत्यधिक निर्भरता चिंताजनक संकेत देती है। फिर भी, स्थिति उतनी गंभीर नहीं है, जितनी बताई जा रही है। लचीलेपन के लिए जिम्मेदार कारक निर्यात बास्केट और उचित लागत पर अपरिहार्य गुणवत्तापूर्ण भारतीय आईटी सेवाएं हैं। निर्यात में आश्चर्यजनक वृद्धि, ट्रम्प के अहंकार को रोकती है, तथा निर्यात बास्केट में उत्पाद विशेषताओं को जिम्मेदार ठहराती है। वे हीरे, रेडीमेड वस्त्र, वस्त्र, दवाएं और फार्मास्यूटिकल्स और पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद हैं। निर्यात बास्केट में इनमें से अधिकांश उत्पादों पर, ट्रम्प का उच्च टैरिफ उल्टा पड़ सकता है, जिससे अमेरिकी उपभोक्ता निराशा में पड़ सकते हैं और उन्हें उच्च कीमतों का सामना करना पड़ सकता है। उदाहरण के लिए, हीरे और अर्ध–कीमती पत्थर, वस्त्र और रेडीमेड वस्त्र वे उत्पाद हैं, जो अमेरिका को भारत के निर्यात बास्केट का लगभग पांचवां हिस्सा हैं। इनमें से किसी भी उत्पाद समूह में, अमेरिकी निवेशक न तो निवेश करने के लिए उत्सुक हैं और न ही उनके पास प्रतिस्पर्धी मूल्य पर उत्पादन करने का कौशल है। भारतीय हीरों का प्रवेश मानवीय क्षमता पर निर्भर करता है, जिसके लिए कारीगरों के कई वर्षों के अनुभव की आवश्यकता होती है। भारत को छोटे हीरों की कटाई और पॉलिशिंग के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में जाना जाता है। वे आकार और ग्रेड में विविध रेंज के साथ कम श्रम लागत पर उच्च गुणवत्ता वाले अच्छी तरह से कटे हुए हीरे का उत्पादन करते हैं। जटिल डिजाइन, कुशल शिल्प कौशल, कम कीमत, शैलियों की बड़ी विविधता और विविध समुदायों से आने वाले विविध डिजाइन और फैशन जैसे कारकों के संयोजन के कारण भारतीय परिधान यूएसए में लोकप्रिय हैं।भारतीय परिधान अपने जटिल पैटर्न, कढ़ाई और रेशम और कपास जैसे विविध कपड़ों के कारण वियतनामी और चीनी परिधानों की तुलना में अधिक पसंद किये जाते हैं, जो एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं। तेल रिफाइनरी उत्पाद, दवाएं और फार्मास्यूटिकल्स भारत के संयुक्त राज्य अमेरिका को कुल निर्यात में बड़ी हिस्सेदारी रखते हैं। 2023–24 में वे भारत के अमेरिका को कुल निर्यात के लगभग 19 प्रतिशत थे। भारतीय तेल रिफाइनरी उत्पादों को अमेरिका में अन्य देशों के मुकाबले इसलिए पसंद किया जाता है क्योंकि वे सस्ते रूसी तेल के कारण किफायती होते हैं। प्रतिबंध के बाद, रूसी कच्चे तेल की कीमत भारत के लिए 60 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल थी, जबकि वैश्विक कीमत 80 से 90 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल थी। जाहिर है, ट्रंप के संरक्षणवाद का पिछला अनुभव खतरे को कम करेगा। ट्रंप के पहले कार्यकाल (2017–20) के दौरान, जीएसपी योजना (सामान्यीकृत वरीयता प्रणाली) के तहत विशेष दर्जा वापस लेने और स्टील और एल्युमीनियम पर उच्च टैरिफ लगाने से भारत से निर्यात कम नहीं हुआ। संयोग से, इस अवधि में जीएसपी लाभ की चमक फीकी पड़ गयी। यह अमेरिका को भारत के निर्यात का 2 प्रतिशत था। भारत वर्तमान में अमेरिकी बाजार में फार्मास्युटिकल उत्पादों का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक और रेडीमेड कपड़ों का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक है। सन् 2022 में, यह फार्मास्युटिकल उत्पादों के कुल आयात का 5.5 प्रतिशत और 2023 में अमेरिकी बाजार में रेडीमेड कपड़ों के कुल आयात का 7 प्रतिशत हिस्सा था। जेनेरिक दवाओं के लिए अमेरिकी एंटीबायोटिक्स जैसे मानक नुस्खों पर निर्भर हैं, जो मुख्य रूप से विकासशील देशों से प्राप्त होते हैं, जहां उत्पादन लागत कम है, जैसा कि कॉलिशन फॉर ए प्रॉस्पेरस अमेरिका का कहना है। फिर भी, भारत चीन पर बढ़त रखता है।हालांकि, चीन अमेरिका को रेडीमेड गारमेंट्स और दवाओं और फार्मास्यूटिकल्स का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है, चीन पर उच्च आयात शुल्क भारत को बढ़त देगा। इससे भारत को अमेरिका में चीनी बाजार में हिस्सेदारी कम करने का लाभ मिलेगा। इस उद्देश्य के लिए, चीन पर उच्च आयात शुल्क भारतीय निर्यातकों के लिए भारतीय उत्पादों पर आयात शुल्क में वृद्धि के प्रभाव को संतुलित करने के लिए लाभकारी हो सकता है। बांग्लादेश के निर्यात में उथल–पुथल भारत के लिए टैरिफ प्रभावित परिधान निर्यात से निपटने का एक और कारक होगा। बांग्लादेश अमेरिका के बाजार में परिधानों का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक है, जो परिधानों के आयात का लगभग 11 प्रतिशत हिस्सा साझा करता है। अमेरिका को आईटी सेवाओं के निर्यात में भारत ने बड़ा हिस्सा प्राप्त करने में सफलता हासिल की है। 2023 में, भारत का अमेरिका को आईटी सॉफ्टवेयर का निर्यात 320 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। भारत से कुल सॉफ्टवेयर निर्यात में इसकी हिस्सेदारी 55.5 प्रतिशत थी। आव्रजन पर प्रतिबंध भारत के सॉफ्टवेयर निर्यात के लिए बड़ा खतरा बन गया है। भारत एच–1बी वीजा का सबसे बड़ा लाभार्थी है। सालाना 70 प्रतिशत से अधिक एच–1बी वीजा भारतीयों को जारी किये जाते हैं।लेकिन, आव्रजन पर प्रतिबंध का एक दूसरा पहलू भी है, जो भारत के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। इससे अमेरिका में निवेश बढ़ सकता है। अमेरिकी आईटी फर्म, जो लागत प्रभावी सेवाओं के लिए भारत पर अधिक निर्भर रही हैं, ऑफ–शोर सेवाओं के लिए भारत में अपनी शाखाएं खोलेंगी। ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान, भारत में अमेरिकी एफडीआई में उछाल आया। इसने 2017 में 2.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 2020 में 14.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक की बड़ी छलांग लगायी। इंटेल और मॉर्गन स्टेनली जैसी बड़ी आईटी और वित्तीय सेवा कम्पनियों ने भारत में भारी निवेश किया। वर्तमान में, भारत में अमेरिकी निवेश मुख्य रूप से सॉफ्टवेयर क्षेत्र में है परन्तु कंप्यूटर सॉफ्टवेयर।

चर्चा में फिर आया काशी राज परिवार, अनंत नारायण सिंह व कर्मचारियों पर प्रताड़ना का आरोप

वाराणसी। काशी राजपरिवार के सदस्य अनंत नारायण सिंह व उनके कर्मचारियों और रामनगर थाने की पुलिस पर एक रेस्टोरेंट संचालक ने प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। उसने पुलिस आयुक्त को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है। वही, दुर्ग प्रशासन ने रेस्टोरेंट संचालक को निराधार बताया है।

ये है पूरा मामला : रामनगर किला मार्ग पर स्थित एक रेस्टोरेंट के संचालक संजय त्रिपाठी ने बृहस्पतिवार को प्रेसवार्ता की। कहा कि दुर्ग प्रशासन के कर्मचारियों और पुलिस ने रेस्टोरेंट में घुसकर कर्मचारियों को धमकाया। मोबाइल छीनने के अलावा सीसी कैमरे तोड़ कर धमकी दी। सभी जबरन उनकी दुकान खाली कराना चाहते हैं।

दुर्ग प्रशासन के कर्मचारियों ने पिछले दो साल में लगभग 10 लाख रुपये लिए, लेकिन दुकान के एग्रीमेंट का कागज नहीं दिए। वहीं, दुर्ग के सुरक्षाधिकारी राजेश कुमार शर्मा ने कहा कि रेस्टोरेंट संचालक पिछले तीन माह से किराया नहीं दे रहा है।

रेस्टोरेंट में युवक और युवतियों को बैठाकर असामाजिक हरकतें करा रहा था। इसका बगल में स्थित महारानी महिला महाविद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं पर बुरा असर पड़ रहा था। इसलिए रेस्टोरेंट खाली करने के लिए कहा गया तो संचालक अनर्गल आरोप लगाने लगा। उधर, रामनगर थानाध्यक्ष राजू सिंह ने कहा कि किसी को प्रताड़ित नहीं किया गया है। एक शिकायत मिलने पर पुलिस रेस्टारेंट में गई थी। जांच कर वापस आ गई थी।

किरायेदारी विलेख तैयार नहीं हुआ, दुकान चलती रही

आमतौर पर रामनगर किला की कोई दुकान लेता है तो उससे पैसा लेकर किरायेदारी विलेख तैयार कराया जाता है। जबकि इस मामले में किरायेदारी विलेख तैयार ही नही हुआ और 22 महीने तक रेस्टोरेंट चलता रहा। रेस्टोरेंट संचालक ने जिनके माध्यम से दुकान लिया था, उनको हर महीने पेमेंट करते रहे। बदले में आश्वासन मिलता रहा कि कागज मिल जाएगा। मामला तब बिगड़ा जब रेस्टोरेंट संचालक ने तीन महीने का किराया रोक लिया। उनका कहना था कि पहले किरायेदारी विलेख बने तब पेमेंट देंगे। इसी को लेकर तल्खी बढ़ी।

पति से नाराज होकर मायके आई विवाहिता कुएं में कूदी

नियामताबाद। बबुरी थाना के बौरी गांव में बृहस्पतिवार की दोपहर में नाराज होकर मायके आई विवाहिता कुएं में कूद गई। वह दो दिन पहले ही रविदास जयंती पर अपने मायके आई थी। विवाहिता को कुएं में कूदता देख ग्रामीणों ने शोर मचाया और प्रयास कर उसे बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत चुकी थी। मौके पर पहुंची पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कार्रवाई में जुटी है। विवाहिता ने आत्मघाती कदम क्यों उठाया इसका पता नहीं चला। बौरी गांव निवासी राजकुमार राम की पुत्री नेहा (25) बृहस्पतिवार की दोपहर में एक बजे गांव के बाहर पकवा नारा कुएं में कूद गई। एक व्यक्ति ने कूदते हुए उसे देखा और चिल्लाने लगा। इसके बाद ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई। वहां पर चप्पल और मोबाइल पड़ा हुआ था। कुएं में कटिया डाला गया और उसे बाहर निकाला गया तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतका की शादी तीन वर्ष पूर्व में भरछा गांव निवासी पिंटू के साथ हुई थी। उसकी दो वर्षीय एक पुत्री है। वह दो दिन पहले रविदास जयंती पर अपने घर पर आई हुई थी। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजा। वहीं विवाहिता की मौत से परिवार वालों को रो–रोकर बेहाल हो गए।

गंगा आरती दिखाने का झांसा देकर 10 श्रद्धालुओं को बनाया बंधक, पुलिस ने मंदिर का ताला तोड़ कर निकाला

वाराणसी। 15 फरवरी तक के लिए स्थगित की गई गंगा आरती दिखाने का झांसा देकर 10 श्रद्धालुओं को प्रयागघाट के ऊपर भूतेश्वर महादेव मंदिर में बंधक बना लिया गया। सभी से 200–200 रुपये की अवैध वसूली की गई। मौके से गुजर रही पुलिस ने मंदिर के ग्रिल का ताला तोड़ कर सभी श्रद्धालुओं को बाहर कराया। मामले को लेकर दशाश्वमेध थाने में दशाश्वमेध चौकी प्रभारी अनुज मणि तिवारी की तहरीर पर भूतेश्वर महादेव मंदिर के कर्ता–धर्ता पृथ्वी मांझी और अन्य अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

दशाश्वमेध चौकी प्रभारी के अनुसार, वह बुधवार की शाम क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। दशाश्वमेध घाट और शीतला घाट के बीच स्थित प्रयागघाट के ऊपर स्थित भूतेश्वर महादेव मंदिर की ग्रिल के अंदर से कुछ लोगों ने उन्हें और पुलिस कर्मियों को जाते हुए देख कर आवाज दी। उन लोगों का कहना था कि हम लोगों को मंदिर का मालिक और उसके कार्यकर्ता अंदर बंद कर दिए हैं। यह सुनकर पुलिस टीम भूतेश्वर महादेव मंदिर के पास पहुंची।

ग्रिल के अंदर से लोगों ने बताया कि हम लोगों को गंगा आरती दिखाने के बहाने यहां लाकर अंदर करके बाहर से ताला बंद कर दिया गया है। जब हम लोगों को पता चला कि गंगा आरती मौजूदा समय में बंद चल रही है। तब हम लोग वहां से बाहर निकलने की गुहार लगाने लगे। इस पर जिन लोगों ने उन्हें मंदिर में बंद किया था वह कहने लगे कि 200–200 रुपये प्रति व्यक्ति तत्काल दीजिए तो बाहर जाने दें।

काशी विद्यापीठ में 17 को होगी मिड टर्म परीक्षा

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के समाज कार्य विभाग समाज कार्य विषय की मिड टर्म परीक्षा 17 फरवरी को होगी। विभागाध्यक्ष एवं संकायाध यक्ष प्रो. महेन्द्र मोहन वर्मा ने बताया कि मेजर (एनईपी) स्नातक प्रथम सेमेस्टर सत्र 2024–25 की मिड टर्म परीक्षा दोपहर 12 बजे से प्रो. राजाराम शास्त्री सभागार में होगी। कहा कि परीक्षा में सभी विद्यार्थियों का शामिल होना अनिवार्य है। परीक्षा में सम्मिलित न होने की दशा में वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। इसकी सूचना विभाग के नोटिस बोर्ड पर चस्पा करवा दी गई है। प्रो.वर्मा ने बताया कि विद्यार्थी परीक्षा प्रारम्भ होने के 15 मिनट आयेंगे। इसमें भागीदारी नहीं होने पर पुनः परीक्षा का आयोजन नहीं कराया जायेगा।

शराब पिलाने के विवाद में चार दोस्तों के धकेलने से गई थी जान, पहचान छिपाने के लिए जलाया था शव

वाराणसी। वाराणसी जिले के लोहता थाना क्षेत्र के कोटवा डिहवा निवासी रंगाई–पुताई करने वाले भाईलाल पटेल (46) की हत्या शराब पिलाने के विवाद में की गई थी। उसके चार दोस्त 500–500 रुपये की देसी शराब मंगा चुके थे। भाईलाल को शराब मंगाने के लिए उन्होंने कहा तो वह इनकार करने लगा। इसे लेकर उसके चार दोस्तों से कहासुनी हुई तो उन्होंने उसे धकेल दिया था। धकेलने से भाईलाल ऐसे गिरा कि दोबारा उठ नहीं सका। भाईलाल की मौत हो जाने पर उसके चारों दोस्त उसकी पहचान छिपाने के लिए शव पर शराब छिड़क कर आग लगा दी थी। फिर शव को खींच कर कोटवा पुलिस चौकी के समीप सरसों के खेत में फेंक दी थी। बताया जा रहा है कि पुलिस जल्द ही घटना का खुलासा करेगी।

ये है पूरा मामला : लोहता थाने की कोटवा पुलिस चौकी से चंद कदम की दूरी पर सोमवार की सुबह एक अधजला शव मिला। परिजनों ने शव की पहचान भाईलाल पटेल के रूप में की। परिजनों ने पुलिस को बताया कि भाईलाल रविवार की शाम घर से निकला था तो वापस नहीं आया था। हत्यारों की गिरफ्तार और मुआवजे के लिए परिजनों ने ग्रामीणों के साथ कोटवा ऑटो स्टैंड के पास पांच घंटे तक जाम लगाए रखा था।

चार नामजद और चार अज्ञात के खिलाफ केस

भाईलाल की पत्नी उषा की तहरीर पर लोहता थाने में कोटवा की ग्राम प्रधान के पति सहित चार नामजद और चार अज्ञात के खिलाफ हत्या सहित अन्य आरोपों में मुकदमा दर्ज किया गया था। उधर, इस संबंध में डीसीपी वरुणा जोन चंद्रकांत मीना ने बताया कि सर्विलांस, सीसी फुटेज और मुखबिर की मदद से संदिग्ध गतिविधियों वाले कुछ लोगों को चिह्नित कर पूछताछ की जा रही है। जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

रिटायर्ड फौजी के घर को से नगदी समेत सोने–चांदी के सामान चोरी

पड़ाव। जलीलपुर चौकी अंतर्गत रतनपुर गांव में वैवाहिक कार्यक्रम में भाग लेने गए रिटायर्ड फौजी के मकान में हुई चोरी। चोरों ने घर में रखे एक लाख रुपये नगदी सहित सोने–चांदी के आभूषण व अन्य सामानों को चुरा ले गए। पड़ोसी की सूचना पर पहुंचे रिटायर्ड फौजी ने बृहस्पतिवार को जलीलपुर पुलिस चौकी पर जाकर तहरीर दी। तहरीर के आधार पर पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई। जलीलपुर पुलिस चौकी क्षेत्र के रहने वाले अखिलेश कुमार सिंह सेना से रिटायर्ड है। वर्तमान में बीएचयू में गार्ड के पद पर तैनात हैं। वह मूल रूप से बिहार प्रांत के भोजपुर जिले के उदवंत नगर थाना के आसनी गांव के रहने वाले है। पिछले एक वर्ष से वह रतनपुर में एक किराए के मकान अपनी पत्नी, दो बिटिया और एक बेटे के साथ रह रहे हैं। उनके परिवार में 05 फरवरी को शादी थी, परिवार संग वह उसमें शामिल होने गये थे। घर में ताला बंद देख चोर घर की चहारदीवारी कूदकर घर में प्रवेश कर कूदे। इस दौरान घर में तीन कमरों का ताला तोड़कर उसमें रखी अलमारी से एक लाख नगदी समेत 600 ग्राम चांदी का सामान, चार सेट अंगूठी, दो सेट कान का झुमका, एक सोने की चेन, एक सोने का लॉकेट जिसकी कीमत लगभग तीन लाख पचास हजार बताई गई चुरा ले गए। साथ ही कीमती कपड़े व अन्य जरूरी कागजात भी उठा ले गए। चोरी की जानकारी बुधवार की रात पड़ोस के ही एक व्यक्ति ने अखिलेश सिंह को फोन पर दी। सूचना के बाद बृहस्पतिवार को जब वे घर पहुंचे तो वहां सारा समान बिखरा देख उनके होश उड़ गए। उन्होंने इसकी सूचना जलीलपुर पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई। मुगलसराय कोतवाल विजय बहादुर सिंह ने बताया कि चोरी की सूचना मिली है। मामले की जांच पड़ताल की गई है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

शरीर में हो झनझनाहट, चिड़चिड़ापन हो तो तुरंत करवाएं जांच

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के डॉ. विभूति नारायण सिंह परिसर, गंगापुर में राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से स्वास्थ्य जागरूकता शिविर में स्वयंसेवकों को जागरूक किया गया। पीएचसी गंगापुर के डॉक्टर सतीश कुमार ने कहा कि अगर शरीर में झनझनाहट और चिड़चिड़ापन की समस्या दिखे तो तुरंत जांच करवानी चाहिए। डॉ. सतीश ने डायबिटीज और ब्लडप्रेशर के बारे में बताया। कहा कि सामान्य ब्लड प्रेशर 80ध्120 होता है, उससे अधिक हो तो समस्या होती है। खाने के साथ नमक का सेवन और नियमित व्यायाम, योगासन भी जरूरी होता है। डॉ. मनीष कुमार सिंह ने समय–समय पर इस तरह के कार्यक्रम करवाए जाते रहने की बात कही। डॉ. बेबी चौरसिया के नेतृत्व में दिलीप सिंह लैब टेक्नीशियन, ज्योति मौर्य ने स्वास्थ्य परीक्षण किया।

4 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले भूमिगत जलाशय का विधायक और महापौर ने किया भूमिपूजन

लखनऊ (यूएनएस)। राजधानी लखनऊ में 4 करोड़ रुपए की लागत से भूमिगत जलाशय बन रहा है। गुरुवार को इसका भूमिपूजन विधायक नीरज बोरा और महापौर सुषमा खर्कवाल ने किया है। 660 किलोलीटर क्षमता का यह जलाशय बनाया जा रहा है। अलीगंज सेक्टर–बी पानी की टंकी परिसर के पास से पानी की आपूर्ति होगी। इस अवसर पर जलकल विभाग के महाप्रबंधक कुलदीप सिंह ने बताया कि इस परियोजना के जरिए शहरवासियों को स्वच्छ जल उपलब्ध होगा और जल संकट से राहत मिलेगी। निर्माण कार्य तय समय पर पूरा किया जाएगा, जिससे अलीगंज और अन्य क्षेत्रों में जल आपूर्ति सुधारने में मदद मिलेगी। महाप्रबंधक ने यह भी कहा कि जलाशय निर्माण में आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा, ताकि यह लंबे समय तक टिकाऊ रहे। इस परियोजना की लागत करीब 4 करोड़ रुपए होगी। इसे 4 महीने में पूरा कर लिया जाएगा। अलीगंज सहित अन्य क्षेत्रों में इस जलाशय से पानी की आपूर्ति होगी। महापौर सुषमा खर्कवाल का कहना है कि निर्धारित समय में जलाशय का काम पूरा कर लिया जाएगा। इससे शहर के लोगों को सुविधा मिलेगी। निर्माण कार्य शुरू हो गया है। इसका भूमि पूजन किया जा रहा है।

किसान ने रची खुद के अपहरण की साजिश,सुरक्षित बरामद

लखनऊ (यूएनएस)। हेल्लो चाचा... मुझे नहीं पता मैं कहां हूं, ये लोग मुझे बाहर निकलने नहीं दे रहे हैं। मुझे मारते–पीटते और 30 हजार रुपये की फिरौती मांग रहे हैं। जल्दी से बदमाशों को रुपया देकर मुझे बचाई. ...लापता किसान दुर्गेश रावत ने परिजनों से सम्पर्क कर खुद के अपहरण की बात बताई तब उनके पैरों से जमीं खिसक गई। हालांकि, 24 घंटे के भीतर पुलिस ने सर्विलांस टीम की मदद से किसान को सीतापुर के महमूदाबाद से सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। हालांकि, पूछताछ के दौरान पता चला कि रुपया उधार लेकर जब उसे दवाईयां खरीदनी पड़ी तब उसने खुद के अपहरण की साजिश रच डाली। इस दौरान पुलिस ने किसान को सख्त हिदायत भी दी है।दरअसल, बीकेटी थाना अंतर्गत मंझोरियां गांव निवासी किसान दुर्गेश रावत मनोरोगी है। बुधवार सुबह वह कस्बे में लगने वाली सब्जी मंडी गया था। इसके बाद वह दोबारा घर नहीं लौटा। जिसके बाद परिजन रातभर उसकी खोजबीन करते है। बावजूद इसके दुर्गेश का कहीं सुराग नहीं मिला। इस बीच किसान पथ पर शिवखर गांव के समीप दुर्गेश की साइकिल परिजनों को मिली। फिर किसी अनहोनी की आशंका के मद्देनजर परिजनों ने बीकेटी थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज करा दी। गुरुवार सुबह दुर्गेश ने चाचा को कॉल किया और कहाकि कुछ बदमाशों ने उसे अगवा कर लिया है। उसे नहीं पता वह कहां है। बदमाश उसे बाहर भी निकलने नहीं दे रहे हैं। वह उसे मारते–पीटते है और उसे छोड़ने के लिए 30 हजार रुपये की मांग कर रहे हैं। रुपये न देने पर बदमाश उसकी हत्या करने की भी धमकी दे रहे है। दुर्गेश की बात सुनकर घबराये परिजनों से पुलिस से मदद मांगी। सर्विलांस टीम की मदद से पुलिस ने दुर्गेश की लास्ट लोकेशन खंगाली। इसके आधार पर पुलिस ने दुर्गेश को सीतापुर जनपद के महमूदाबाद इलाके से सुरक्षित बरामद किया। अतिरिक्त प्रभारी निरीक्षक कैलाश दुबे ने बताया कि सीतापुर पहुंची पुलिस टीम को दुर्गेश सड़क किनारे घूमता मिला था। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि कई वर्षों से उसका इलाज चल रहा है।

बाइक को टक्कर मारने के बाद बोलेरो पलटी, 8 घायल, एक की हालत गंभीर

ताराजीवनपुर। अलीनगर थाना अंतर्गत नेशनल हाईवे पर जंसो की मड़ई गांव के समीप बृहस्पतिवार की दोपहर में बाइक को टक्कर मारने के बाद बेकाबू होकर बोलेरो डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। घटना में बोलेरो में सवार छह लोग और बाइक सवार दो लोग सहित आठ लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। यहां एक बाइक सवार की हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। बिहार के खुर्माबाद, चेनारी, रोहतास निवासी बोलेरो से बीएचयू मरीज को इलाज कराने जा रहे थे। जंसो की मड़ई गांव के समीप पहुंचने पर बोलेरो का चालक ट्रक को ओवरटेक करने लगा। इसी दौरान आगे जा रही बाइक को टक्कर मार दी। इसके बाद बोलेरो बेकाबू हो गई और डिवाइडर से जा टकराई। बोलेरो लगभग 10 फीट ऊपर उछल कर सड़क पर पलट गई। वहीं बाइक सवार भी गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से वाहन में दबे लोगों को बाहर निकाल कर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। बोलेरो में सात लोग सवार थे। इनमें बब्बन सिंह (53), अली हुसैन (40), प्रमोद कुमार (20), बलराम सिंह (32), गौरी शंकर सिंह (55), सविता देवी (36) घायल हो गए।। वहीं बाइक सवार कठौरी गांव निवासी विकास यादव (18) भी गंभीर रूप से घायल हो गए। जिला अस्पताल में विकास की हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने उसे ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। दूसरे बाइक सवार अजीत यादव (19) का जिला चिकित्सालय में इलाज चल रहा है। अलीनगर थानाध्यक्ष विनोद मिश्रा ने बताया कि बोलेरो में सात लोग सवार थे। वहीं बाइक सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल है। उसे ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है।

अस्पताल की ओपीडी में पहुंच रहे 50 से अधिक मरीज अस्थमा के

चंदौली। मौसम में हो रहे उतार चढ़ाव में सबसे अधिक परेशानी अस्थमा रोगियों को हो रही है। जिला अस्पताल की बात करें तो फिजिशियन के पास आने वाले दो सौ मरीजों में 50 अस्थमा के पीड़ित आ रहे हैं।चिकित्सकों के अनुसार मौसम परिवर्तन के दौर में अत्यधिक सावधानी बरतने से ही अस्थमा के रोगी अपना बचाव कर सकते हैं। बाबा कीनाराम स्वशासी मेडिकल कॉलेज से संबद्ध पं. कमलापति त्रिपाठी संयुक्त जिला चिकित्सालय में बदलते मौसम में मरीजों की संख्या बढ़ गई है। रोजाना एक हजार मरीज इलाज के लिए अस्पताल पहुंच रहे हैं। इसमें 50 मरीज अस्थमा से पीड़ित है। फिजिशियन डॉ. संजय कुमार ने बताया कि मौसम परिवर्तन में अस्थमा रोगियों को विशेष सावधानी बरतनी की जरूरत है। कहा कि प्रत्येक फ्लू वैक्सीन लगवाएं, साथ ही श्वसन पथ के संक्रमण के लिए निमोनिया की वैक्सीन भी लगवाएं। तापमान गिरने पर घर पर रहने की कोशिश करें। खासतौर पर सुबह जल्दी और रात में देर तक बाहर न रहें। कहा कि मास्क पहने, इससे आप ठंडी और खुश्क हवाओं से बचेंगे, जो वायुमार्ग के सीधे संपर्क में आ सकती हैं। कहा कि घर को धूल से बचाकर रखें। रोजाना वैक्यूम या साफ सफाई जरूर करें। डाइट का खास ख्याल रखें, ताकि अस्थमा अटैक से बच सकें। खाने में विटामिन–डी और सी से भरपूर खाना खाएं, ताकि ठंडे मौसम में अस्थमा के लक्षणों को मैनेज किया जा सके। अस्थमा के मरीजों को सर्दी में अदरक और लहसुन जरूर खानी चाहिए। इन दोनों में एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। सर्दी में जुकाम और खांसी जैसे संक्रमण से बचने के लिए दिन में कई बार हाथों को पानी और साबुन से धोएं।

छेड़खानी को लेकर ग्राम प्रधानों और पुलिसकर्मी आमने सामने

चंदौली। सदर कोतवाली में बृहस्पतिवार को उस समय असहज स्थिति उत्पन्न हो गई जब ग्राम प्रधानों व पुलिस कर्मियों में तू तू मैं मैं होने लगी। ग्राम प्रधानों का आरोप कि इंसपेक्टर ने प्रधानों को जेल भेजने की धमकी दी। इससे भयभीत ग्राम प्रधान कोतवाली में ही धरने पर बैठ गए। शाम को एएसपी ऑपरेशन अनिल यादव के समझाने के बाद प्रधानों ने धरना समाप्त किया। सदर कोतवाली के एक गांव में मनबढ़ युवक एक किशोरी से बार–बार छेड़खानी करता आ रहा था। प्रधानों का आरोप कि शिकायत के बाद भी पुलिस आरोपित के खिलाफ करवाई नहीं कर रही थी। मामले को लेकर बृहस्पतिवार को लगभग एक दर्जन से अधिक ग्राम प्रधान लामबंद होकर कोतवाली पहुंचे। प्रधानों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करते हुए इंस्पेक्टर से कार्रवाई न करने पर पूछा तो ग्राम प्रधानों का आरोप कि इंस्पेक्टर बदसलूकी पर उतारू हो गए। इससे नाराज प्रधान धरने पर बैठ गए। ग्राम प्रधान इंस्पेक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने लगे। कोतवाली पहुंचे एएसपी ऑपरेशन ने ग्राम प्रधानों को समझाकर धरना समाप्त कराया। इस दौरान सदलपुरा प्रधान विवेक सिंह, बर्थरा दिलीप सिंह टुनटुन, धरहरा अमित सिंह, अनिता, रामअशीष , संतोष, रामसूरत राजभर, अर्जुन, जेपी, गुलाब मौर्या, मनीष, बिमलेश यादव सहित अन्य ग्राम प्रधान शामिल थे।

स्ट्रांग रूम में पहुंचे प्रश्नपत्र, तीन लेयर की सुरक्षा में हो रही निगरानीय 24 से परीक्षा

वाराणसी। यूपी बोर्ड की परीक्षा के लिए शुक्रवार को प्रश्न पत्र भी आ गए हैं। इन्हें लहुराबीर के क्विंस इंटर कॉलेज में स्ट्रांग रूम में रखा गया है। जिसकी निगरानी तीन लेयर की सुरक्षा में की जा रही है। 24 फरवरी से शुरू होने वाली यूपी बोर्ड परीक्षा के लिए उत्तर पुस्तिका के बाद प्रश्नपत्र भी आ गए हैं। जिले में बने 125 केंद्रों पर प्रश्नपत्र भेजने की प्रक्रिया शुरू होगी। स्ट्रांग रूम में प्रश्नपत्रों की सुरक्षा के लिए डबल लॉक के साथ सुरक्षाकर्मियों की तैनाती के साथ सीसीटीवी से निगरानी रखी जा रही है। जिला विद्यालय निरीक्षक अवध कुमार सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों प्रवेशपत्र में संशोधन का काम चल रहा है। संशोधन के बाद सभी परीक्षा केंद्रों उत्तर पुस्तिकाएं भेजी जाएंगी।

सीबीएसई की परीक्षा कल से केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) परीक्षा 15 फरवरी से शुरू होगी। सिटी को–आर्डिनेटर गुरमीत कौर ने बताया परीक्षा के लिए जिले के 200 विद्यालयों में से 49 विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। 23 हजार दसवीं और 25 हजार 12वीं के विद्यार्थी परीक्षा देंगे।

महाकुंभ मेला 2025 के दौरान विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये महाकुंभ मेला 2025 के दौरान विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी संख्या 02252/02251 नई दिल्ली-वाराणसी आरक्षित वन्दे भारत विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 02252 नई दिल्ली - वाराणसी			गाड़ी संख्या - 02251 वाराणसी - नई दिल्ली	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	05:30	नई दिल्ली ▲	23:50	----
06:00	06:02	गाज़ियाबाद	23:18	23:20
09:48	09:50	कानपुर सेंट्रल	19:08	19:10
12:00	12:05	प्रयागराज जं	17:20	17:25
14:20	----	▼ वाराणसी	----	15:15

नई दिल्ली से:- गाड़ी संख्या 02252, दिनांक 15.02.2025 से 17.02.2025 तक।
वाराणसी से:- गाड़ी संख्या 05251, दिनांक 15.02.2025 से 17.02.2025 तक।
गाड़ी संरचनाः- वन्दे भारत रेक- 16

गाड़ी संख्या 05720/05719 जोगबनी-टूण्डला महाकुंभ मेला विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 05720 जोगबनी - टूण्डला			गाड़ी संख्या - 05719 टूण्डला - जोगबनी	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	18:40	जोगबनी ▲	02:20	----
10:00	10:02	मिर्ज़ापुर	08:28	08:30
12:45	12:50	प्रयागराज	06:25	06:30
13:53	13:55	फतेहपुर	03:15	03:17
15:25	15:30	गोविन्दपुरी	02:05	02:10
16:53	16:55	इटावा जं.	22:48	22:50
19:00	----	▼ टूण्डला जं.	----	21:40

जोगबनी से टूण्डला तकः- गाड़ी संख्या 05720, दिनांक 15.02.2025 (शनिवार) को।
टूण्डला से जोगबनी तकः- गाड़ी संख्या 05719, दिनांक 17.02.2025 (सोमवार)।
गाड़ी संरचनाः- सामान्य श्रेणी- 04, स्लीपर श्रेणी- 10, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 05 एवं वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 01

हावड़ा-टूण्डला महाकुंभ मेला विशेष रेलगाड़ियाँ

गाड़ी सं.	कहाँ से कहाँ तक	प्रारंभिक स्टेशन से चलने की तिथि	गाड़ी संरचना
03063	हावड़ा से टूण्डला	15.02.2025 एवं 22.02.2025 (शनि)	सामान्य श्रेणी-04, स्लीपर श्रेणी- 09, एसी III-01 एवं एसी II सह III श्रेणी-02
03035	हावड़ा से टूण्डला	23.02.2025 (रवि)	सामान्य श्रेणी-03, स्लीपर श्रेणी- 10, एसी III-05 एवं एसी II श्रेणी-01
03064	टूण्डला से हावड़ा	17.02.2025 एवं 24.02.2025 (सोम)	सामान्य श्रेणी-04, स्लीपर श्रेणी- 09, एसी III-01 एवं एसी II सह III श्रेणी-02
03036	टूण्डला से हावड़ा	25.02.2025 (मंगल)	सामान्य श्रेणी-03, स्लीपर श्रेणी- 10, एसी III-05 एवं एसी II श्रेणी-01

उपरोक्त महाकुंभ मेला विशेष रेलगाड़ियों का संचालन समय एवं ठहराव

हावड़ा - टूण्डला			टूण्डला - हावड़ा	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	19:35	हावड़ा ▲	02:30	----
08:28	08:30	मिर्ज़ापुर	11:48	11:50
10:10	10:20	प्रयागराज जं.	10:10	10:20
11:58	12:00	फतेहपुर	07:58	08:00
13:45	13:50	गोविन्दपुरी	06:50	06:55
16:03	16:05	इटावा जं.	04:28	04:30
19:20	----	▼ टूण्डला जं.	----	03:00

नोटः- रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139, एनटीईएस ऐप एवं रेल मदद वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं0 1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे
@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 318/25(A)

हिंदी विश्वविद्यालय के महाकुम्भ शिविर में किया गया योगाभ्यास

महाकुंभ नगर। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय द्वारा महाकुम्भ में लगाए गए शिविर में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय प्रयागराज में योग विभाग के प्राध्यापक डॉ. संतोष कुमार शुक्ला के द्वारा योगाभ्यास कराया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को सूक्ष्म योग की क्रियाएं कराई गईं। इस अवसर पर डॉ. शुक्ल ने कहा कि योग का अर्थ मन को शरीर के बंधनों से मुक्त कर देना है। सहज रूप से की गई योग क्रियाएं भी मनुष्य को शारीरिक रूप से कई लाभ पहुंचा सकती हैं। उन्होंने कहा कि योग जीवन जीने की एक कला है। योग करने से हमारे जीवन का समग्र विकास होता है। यहां समग्र विकास का तात्पर्य शारीरिक, मानसिक, नैतिक एवं आध्यात्मिक विकास से है। योगाभ्यास कार्यक्रम में डॉ. सुप्रिया पाठक, डॉ. आशा मिश्रा, डॉ. हरप्रीत कौर, डॉ. मिथिलेश कुमार तिवारी, डॉ. यशार्थ मंजुल, डॉ. विजया सिंह, डॉ. श्याम सिंह, डॉ. अनूप कुमार, जयेंन्द्र जायसवाल, सुभाष श्रीवास्ध्तव, राहुल त्रिपाठी, रश्मि, गीता देवी, जगजीवन राम प्रजापति, बिरजू प्रसाद, रोहित कुमार, अभिषेक कुमार उपस्थित रहे।

शंकराचार्य से आशिर्वाद लिया।

महाकुंभ नगर। सर्वानंद सोनोवाल केन्द्रीय मंत्री पत्तनपोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय भारत सरकार कुम्भनगर में गोवर्धन मठ के शंकराचार्य से आशिर्वाद लिया।

चिदानंद सरस्वती बोले: धरती ही हमारी वैलेंटाइन, धरा से हो प्यार तो पीढ़ियों का होगा उद्धार

महाकुंभ नगर (प्रयागराज)। वैलेंटाइन डे के अवसर पर जब प्रेम और स्नेह की भावनाओं का आदान–प्रदान होता है, तब परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती, साध्वी भगवती सरस्वती ने दुनिया भर के विभिन्न देशों से आए श्रद्धालुओं को एक विशेष संदेश दिया है 'धरती ही हमारी वैलेंटाइन है।'

महाकुंभ के दौरान अतिरिक्त विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त महाकुंभ मेला विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी सं. 01192/01191 उडुपि-टूण्डला जं.-उडुपि महाकुंभ विशेष रेलगाड़ी

01192 उडुपि-टूण्डला जं.-		स्टेशन	01191 टूण्डला जं.-उडुपि	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	12:30	उडुपि	18:10	--
04:10	04:12	मानिकपुर जं.	22:43	22:45
06:25	06:30	प्रयागराज जं.	18:25	18:30
08:00	08:02	फतेहपुर	16:10	06:12
09:10	09:15	गोविंदपुरी	14:05	14:10
11:03	11:05	इटावा	10:45	10:47
13:00	--	टूण्डला जं.	--	09:30

उडुपि से गाड़ी सं. 01192 सोमवार, दिनांक- 17.02.2025 तथा टूण्डला जं. से गाड़ी सं. 01191 गुरूवार, दिनांक- 20.02.2025 गाड़ी संरचनाः वाता. द्वितीय श्रेणी-01, वाता. तृतीय श्रेणी-05, स्लीपर श्रेणी-10, सामान्य श्रेणी-02

गाड़ी सं. 07121/07122 चर्लपल्ली-दानापुर महाकुंभ विशेष रेलगाड़ी

07121 चर्लपल्ली-दानापुर		स्टेशन	07122 दानापुर-चर्लपल्ली	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	15.10(सोम)	चर्लपल्ली	23:45(गुरु)	--
15:53	15:55	मानिकपुर जं.	23:10	23:12
17:45	17:50	प्रयागराज छिवकी	20:25	20:30
19:03	19:05	मिर्जापुर	19:10	19:12
23:55(मंगल)	--	दानापुर	--	15:15(बुध)

चर्लपल्ली से गाड़ी सं. 07121 सोमवार, दिनांक- 17.02.2025 तथा दानापुर से गाड़ी सं. 07122 बुधवार, दिनांक- 19.02.2025 गाड़ी संरचनाः वाता. द्वितीय श्रेणी-01, स्लीपर श्रेणी-20

नोटः रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139, एनटीईएस ऐप एवं रेल मदद वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं. 1800 4199 139 उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 314/25 FA

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. 14020242025 ई-निविदा सूचना दिनांकः 10.02.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/प्रयागराज निम्न लिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (ई-टेण्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

ई-निविदा सूचना सं.: 14020242025-276 GEM/2025/B/5874997 Dated-10.02.2025 कार्य का नामः दो (02) वर्षों के लिए एसएसई/वर्क्स/नैनी और एसएसई/वर्क्स/स्टेशन प्रयागराज के अनुभाग में सेवा भवनों, अधिकारियों के बंगले, कर्मचारी क्वार्टर आदि के रखरखाव की द्वि-वार्षिक सेवा प्रदान करना।	
अनुमानित मूल्य (₹ में): ₹ 1,40,49,557.73	अमानत राशि (₹ में): ₹ 2,20,250.00
निविदा बंद होने की तिथिः 03.03.2025 को 18:00 बजे	
कार्य समापन की अवधि : 24 माह	कार्य की प्रकृतिः कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य।

नोटः- (1) पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए वेबसाइट www.Gem.gov.in पर देखें। 304/25 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

डिजिटल प्रदर्शनी को सराह रहे श्रद्धालु

महाकुंभ नगर। बड़ी संख्या में युवा श्रद्धालुओं ने आज सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार की डिजिटल प्रदर्शनी 'जन भागीदारी से जन कल्याण' का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में उत्साहित युवाओं ने विकसित भारत की ओर मजबूत कदम उठा रही सरकार की अनेक योजनाओं के बारे में डिजिटल मल्टी मीडिया के माध्यम से जाना। जालौन से महाकुंभ स्नान करने आए कर्ण ने प्रदर्शनी देख कहा कि मुझे यहीं पर आज पता चला कि अपने देश में ही अब ऐपल फोन के प्रो मॉडल का निर्माण हो रहा है। निसंदेह यह हर देशवासी के लिए गर्व की बात है। दिल्ली से आईं श्रद्धालु संचिता बड़े गौर से प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा को डिजिटल चित्र प्रदर्शनी में देख कर बोलीं, इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। यह वक्त परीक्षाओं का और उससे जुड़ी हुई मुश्किलों का है। मैं आभारी हूं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की जिन्होंने इस कार्यक्रम के जरिए विद्यार्थियों को तनाव कम करने के तरीके बताए। इस बार इस कार्यक्रम में बड़ी–बड़ी अन्य हस्तियों द्वारा भी बच्चों को टिप्स दिया जाना है। यह सच में बच्चों को मानसिक तनाव कम कर कुशल पाठ्यक्रम प्रबंधन की दिशा में आगे बढ़ने में सहयोग करेगा। उन्होंने आगे कहा कि देश विकसित इन्हीं छोटी छोटी पहलों से होगा। यही बच्चे कल के विकसित भारत के युवा होंगे और इन्हीं के पुरुषार्थ से देश नए शिखर पर होगा। गौरतलब है कि महाकुंभ नगर में मंत्रालय की चित्र प्रदर्शनी 26 फरवरी तक आमजन के लिए निशुल्क खुली रहेगी। इस चित्र प्रदर्शनी में सरकार की तमाम जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी श्रद्धालुओं को दी जा रही है। बिहार से महाकुंभ स्नान को प्रयागराज आए वैभव ने बताया कि सबको यह चित्र प्रदर्शनी अवश्य देखनी चाहिए। अगर वे महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने आए हैं। जैसे मैंने यहीं एक वीडियो एड देख जाना कि देश में अकेले टेक्सटाइल उद्योग ने 14.5 करोड़ध रोजगार सृजित किए। ठीक वैसे ही मैंने इस प्रदर्शनी में चल रहे एक वीडियो से जाना कि विगत वर्ष अपने देश में कुल 33 करोड़ मोबाइल फोन यूनिट का निर्माण हुआ। साथ ही पिछले 10 वर्षों में देश में कृषि लोन की राशि 3.5 गुना हो गई है। उन्होंने कहा कि इतना सब जानने के बाद स्वयं महसूस होता है कि मैं भी अपना शत प्रतिशत योगदान दूं। जिससे देश को एक विकसित राष्ट्र के रूप में जल्द देख सकूं। विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले अपने देश को विकसित होने से कोई नहीं रोक सकता। ऐसा संभव जल्द तब होगा जब हर व्यक्ति की सोच होगी कि जन भागीदारी से ही जन कल्याण और विकास संभव होता है। महाकुंभ नगर के त्रिवेणी रोड, परेड ग्राउण्ड स्थित प्रदर्शनी परिसर में ऐसी ही कई अन्य विषय प्रधान प्रदर्शनियों को देखने श्रद्धालु रोज बड़ी संख्या में आ रहे हैं।

सनातन कृषि संस्कृति स्वर्णिम भारत का आधार विषय पर सेमीनार आयोजित

महाकुम्भ नगर। महाकुंभ के सेक्टर 7 स्थित ब्रह्माकुमारीज स्वर्णिम भारत ज्ञान कुंभ मंडप में कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग द्वारा किसानों के लिए विशेष किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसका विषय रहा। सनातन कृषि संस्कृति स्वर्णिम भारत का आधार। इस सेमीनार में वक्ताओं ने प्राकृतिक खेती, यौगिक खेती और जैविक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया, साथ ही राजयोग द्वारा तनाव मुक्त जीवन जीने की प्रेरणा दी। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कृषि निदेशालय के पूर्व सहायक निदेशक बद्री विशाल त्रिपाठी ने सनातन शब्द के बारे में बताते हुए कहा ऐसी परंपराएं जो समाज को बेहतर बनाने के लिए निर्माण की जाती हैं। कृषि के क्षेत्र में ब्रह्माकुमारीज के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग का प्रमुख योगदान है, आज समय की मांग यही है कि जैविक खेती, प्राकृतिक खेती अपनाया जाए। यदि हमें अपनी जमीन और मिट्ध्टी को बचाना है तो जैविक खेती पर आना ही होगा। खेती में रसायनों के उपयोग से न केवल मिट्ध्टी की उर्वरा शक्ति खत्म हो रही है, बल्कि प्रकृति और इंसानों के ऊपर भी दुष्प्रभाव पड़ रहा है। नतीजा नई–नई बीमारियां जन्म ले रही हैं। ब्रह्माकुमारीज संस्थान ने यौगिक खेती की दिशा में अच्छी पहल की है। योग को खेती में शामिल कर लिया जाए तो पूरे समाज का कल्याण हो जाएगा।कृषि एवं ग्रामीण विकास प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्रह्माकुमार राजू भाई ने कहा कि प्रभाग द्वारा सिखाई जा रही यौगिक खेती पद्धति को सीखकर हजारों किसानों का जीवन खुशहाल बन गया है। आप सभी भाग्यशाली हैं जो इस महाकुंभ में किसानों को सम्मेलन के माध्यम से सशक्त बनाने और यौगिक खेती के बारे में जानकारी देने का सुंदर प्रयास किया जा रहा है। इसलिए यहां से मदद लेकर जैविक खेती की शुरुआत करें। भारतीय संस्कृति में कहा गया है जैसा अन्न वैसा मन इसीलिए अन्ना की शुद्धता का हमें ख्याल रखना चाहिए, और राजयोग ऐसी सर्वश्रेष्ठ विधि है जिसके द्वारा हम अपने मन को शुद्ध कर सकते हैं। कासगंज से पधारी ब्रह्माकुमारी सरोज, ने कहा कि योग तो हमारी संस्कृति है। परमपिता परमात्मा हमें राजयोग सिखाते हैं। राजयोग से न केवल हमारा मन सकारात्मक होता है बल्कि प्रकृति भी सतोप्रधान बनती है। राजयोग का अपनी खेती में प्रयोग करके आप खुद ही इसके चमत्कार देख सकते हैं। ज्ञान कुंभ मेले की संचलिका बीके मनोरमा दीदी ने कहा कि योग तो हमें प्रेम करना सिखाता है। आपसी भाईचारा और स्नेह सिखाता है। एक समय था जब गांवों में आपसी भाईचारा की मिसाल हुआ करती थी लेकिन आज वह सब कहीं गुम गया है। हमें फिर से अपने गांवों को गोकुल गांव बनाना है।अन्नदाता शब्द केवल किसान के लिए उपयोग किया गया है क्योंकि अन्न हमारी थाली में आने तक किसान का खून पसीना लगा होता है। ग्राम विकास कोई कागजी कार्यवाही नहीं धरती पर प्रैक्टिकल प्रयोग की बात है। बीके जागृति ने मेडिटेशन कमेंट्री द्वारा राजयोग का अभ्यास कराया। सभी अतिथियों का शब्दों से स्वागत बरेली से आई ब्रह्माकुमारी पार्वती दीदी ने किया, कार्यक्रम का सफल संचालन ब्रह्माकुमारी रजनी दीदी ने किया। ब्रह्माकुमारीज के प्रयासों से गांव में कई विकास कार्य हुए हैं, कई गांव स्वच्छ गांव बन गया है। कई किसान ब्रह्माकुमारीज से सीखकर जैविक खेती कर रहे हैं।

574 ट्रेनों से 25.63 लाख यात्रियों की हुई आवाजाही, माघी पूर्णिमा पर हर 4.39 मिनट पर चली ट्रेन

प्रयागराज। महाकुंभ का पांचवां प्रमुख स्नान पर्व माघी पूर्णिमा सफलता पूर्वक बीत गया। इस स्नान पर्व ट्रेनों से काफी संख्या में यात्रियों का आवागमन हुआ। इस स्नान पर्व पर रेलवे द्वारा 42 घंटे में 574 ट्रेनों का संचालन किया गया। महाकुंभ का पांचवां प्रमुख स्नान पर्व माघी पूर्णिमा सफलता पूर्वक बीत गया। इस स्नान पर्व ट्रेनों से काफी संख्या में यात्रियों का आवागमन हुआ। इस स्नान पर्व पर रेलवे द्वारा 42 घंटे में 574 ट्रेनों का संचालन किया गया। इस दौरान कुल 25.63 लाख यात्रियों की आवाजाही हुई। खास बात यह रही कि माघी पूर्णिमा पर रेलवे द्वारा प्रत्येक 4.39 मिनट पर ट्रेन चलाई गई।माघी पूर्णिमा के मौके पर 12 फरवरी की रात 12 बजे तक 353 स्पेशल एवं रेगुलर ट्रेनों का संचालन किया गया। इससे कुल 17.20 लाख से अधिक यात्रियों ने यात्रा की। वहीं 12 फरवरी की रात 12 बजे से लेकर बृहस्पतिवार की शाम छह बजे तक 221 अन्य रेगुलर एवं स्पेशल ट्रेन से 8.43 लाख यात्रियों को उनके गंतव्य के लिए भेजा गया। इस तरह से 42 घंटे में संगम नगरी के प्रयागराज जंक्शन, सूबेदारगंज, नैनी, प्रयागराज छिवकी, प्रयागराज रामबाग, झूंसी, प्रयाग और फाफामऊ रेलवे स्टेशन से 574 ट्रेनों का संचालन कर दिया गया।

बृहस्पतिवार को भी श्रद्धालुओं का आवागमन जारी रहा। अगर स्पेशल ट्रेनों की बात की जाए तो शाम छह बजे तक ही 82 स्पेशल रेलवे द्वारा चलाई जा चुकी थी। इसमें से सर्वाधिक 50 स्पेशल प्रयागराज जंक्शन से चली। यहां से मानिकपुर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय और कानपुर रूट के लिए काफी संख्या में यात्री रवाना हुए। इसी तरह प्रयागराज छिवकी से 03 नैनी से 02, सूबेदारगंज से 03, प्रयाग से 08, फाफामऊ से 02, प्रयागराज रामबाग से 03 एवं झूंसी से 11 स्पेशल चलाई गई।

ट्रेनों के साथ विमानों से भी महाकुंभ के मौके पर काफी संख्या में लोगों का आवागमन हो रहा है। माघी पूर्णिमा पर बुधवार को प्रयागराज एयरपोर्ट पर 78 विमानों से 12497 यात्रियों का आवागमन हुआ। इस दौरान 21 नॉन शेड्यूल विमान से 26 यात्रियों का आगमन एवं 22 नॉन शेड्यूल विमान से 88 यात्री यहां से रवाना हुए। माघी पूर्णिमा पर सर्वाधिक 15 विमान स्पाइस जेट के यहां पहुंचे। इसके अलावा इंडिगो के 12, एयर इंडिया के 05, एलाइंस एयर के 04 एवं अकासा एयर के 03 विमान का आगमन एवं प्रस्थान हुआ। बुधवार को इन विमानों से 6255 यात्रियों का आगमन एवं 6242 की रवानगी हुई।

सीनियर बैडमिन्टन प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज। 14 से 16 फरवरी, 2025 तक ओपन स्टेट आमंत्रण सीनियर पुरुष, महिला बैडमिन्टन प्रतियोगिता का आयोजन अमिताभ बच्चन स्पोर्ट्स काम्पलेक्स में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि अभिन्न श्याम गुप्ता, अर्जुन एवार्डी, अन्तर्राष्ट्रीय खिलाडी द्वारा खिलाड़ियो से परिचय प्राप्त कर किया गया। मुख्य अतिथि का स्वागत प्रेम कुमार, क्षेत्रीय कीडा अधिकारी द्वारा बुके एवं संदीप गुप्ता, कीडाधिकारी, अरविन्द सोनकर उप कीडाधिकारी द्वारा शॉल पहनाकर एवं रंजीत यादव, उप कीड़ाधिकारी द्वारा गुलाब स्टिक एवं सुप्रिया रानी हारा वैज लगाकर उनका स्वागत किया गया। मनीष गुप्ता, उप कीड़ा अधिकारी, एम०एच० चौघरी से०नि० कीडाधिकारी, द्वारा गुलाब स्टिक देकर उनका स्वागत किया गया। प्रतियोगिता में कुल 10 टीमों ने प्रतिभाग किया। 14 फरवरी, 2025 को खेले गये मैच का परिणाम मेंशिवांश गुप्ता, प्रतापगढ़ ने प्रिंस, मेरठ को 30–00 से हराया। अभिनव, अयोध्या ने कृष्णा दास, बांदा को 30–13 से हराया। युवराज सिंह, लखनऊ ने आर्दश यादव, को 30–25 से हराया। मनीष, प्रतापगढ़ ने उत्सव मेरठ, को 30–02 से हराया। आदिती यादव, लखनऊ ने कीर्ति यादव, गोरखपुर को 30–17 से हराया। रिचा, प्रयागराज ने सिमरन बानो, प्रतापगढ़ को 30–10 से हराया। तान्या गेरठ, ने आरती सहारनपुर को 30–04 से हराया। शेष मैच दिनांक 15–16 फरवरी, 2025 को खेले जायेंगें। इस अवसर पर योगेश लाल श्रीवास्तव, अशीष कुमार यादव, संजय कुमार सिंह, श्रेया सिंह, पवनेश कुमारी उपस्थित रहे।

महाकुंभ में भ्रामक पोस्ट करने वाले 22 और सोशल मीडिया अकाउंट पर केस

प्रयागराज। महाकुंभ से जोड़कर भ्रामक पोस्ट करने पर पुलिस ने 22 और सोशल मीडिया अकाउंट पर मुकदमा दर्ज किया है। दो पुराने वीडियो मेले से जोड़कर पोस्ट किए गए हैं। बीते माह में कुल 53 सोशल मीडिया अकाउंट पर केस दर्ज हो चुका है। महाकुंभ से जोड़कर भ्रामक पोस्ट करने पर पुलिस ने 22 और सोशल मीडिया अकाउंट पर मुकदमा दर्ज किया है।

तीन दिन की राहत के बाद फिर जाम की चपेट में आया शहर, नैनी में पांच किलोमीटर लंबी वाहनों की कतार

महाकुंभ नगर (प्रयागराज)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने जाम को लेकर सख्त रुख अख्तियार किया है। सीएम ने अधिकारियों से सड़क पर उतरकर जाम से निपटने का निर्देश जारी किया है।

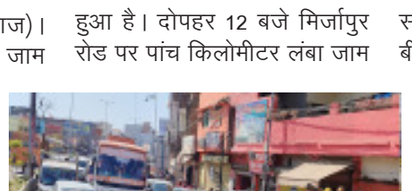

तीन दिन राहत के बाद शुक्रवार को शहर फिर जाम की चपेट में आ गया। शहर के बालसन, एएन झा मार्ग सहित नया यमुना ब्रिज से लेकर सेंट्रल जेल नैनी तक लंबा जाम लगा हुआ है। दोपहर 12 बजे मिर्जापुर रोड पर पांच किलोमीटर लंबा जाम रहा। वाहन रेंगते नजर आए। डेढ़ किलोमीटर लंबा नया यमुना ब्रिज पार करने में दो घंटे से अधिक समय लग जा रहा है। माघी पूर्णिमा बीतने के बाद उम्मीद थी कि भीड़ का दबाव कम होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। लगातार भीड़ बढ़ने के बाद शहर फिर जाम की चपेट में आग गया है। सिविल लाइंस से मेला क्षेत्र जाने वाले मार्ग पर कई जगह जाम की स्थिति बनी है। इसी तरह झूंसी, नैनी और फाफामऊ इलाके में कई किलोमीटर जाम लगा हुआ है। स्थिति यह है कि पार्किंग में वाहन खड़ा करने का स्थान भी कम बचा है। कई घंटे तक वाहनों के रेंगने के चलते उसमें बैठे श्रद्धालुओं की हालत खस्ता हो गई है।

महाकुंभ में जाम को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अख्तियार है। सीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह स्वयं सड़क पर उतरें और व्यवस्था को संभालें। कहा कि प्रयागराज महाकुंभ नगर, प्रयागराज जनपद, अयोध्या वाराणसी और आसपास के सभी जिलों में कहीं भी सड़क पर जाम ना लगे। हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करें। जहां जाम होगा वहां के अधिकारियों के जवाबदेही तय होगी।

शहर की ओर से मेले में प्रवेश करने वाले प्रमुख मार्ग पुराने हर्षवर्धन चौराहे के पास अलोपीबाग चुंकी पुल के नीचे वाहनों की लंबी कतार लगी है। जाम में चपेट में आने से लोगों को संगम पहुंचने में कई घंटे लग रहे हैं। ट्रैफिक पुलिस के सिपाही तैनात हैं लेकिन वाहनों के भारी दबाव के आगे वह बेबस दिख रहे हैं।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062